<u>बेंगलूर स्थित भारतीय खान ब्यूरो के कार्यालय में दिनांक 19.06.2018 से 20.06.2018 तक आयोजित हिन्दी कार्यशाला की रिपोर्ट</u>

भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं वार्षिक कार्यक्रम अनुसार बेंगलूर के आंचलिक कार्यालय, क्षेत्रीय कार्यालय एवं क्षेत्रीय अयस्क प्रसाधन प्रयोगशाला में समेकित रूप से दिनांक 19.06.2018 से 20.06.2018 तक दो दिवसीय पूर्णकालिक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

<u>हिन्दी कार्यशाला</u> : कार्यशाला का शुभारंभ दिनांक 19.06.2018 को श्री जे.आर चौधरी, खान नियंत्रक (द.अ.) के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर डॉ. वी.ए.जे.अरुणा, अधीक्षण अधिकारी (अ.प्र.) एवं कार्यालय अध्यक्ष तथा डॉ.ए.एन. मूर्ति,अधीक्षण खनन भूविज्ञानी एवं हिन्दी संपर्क अधिकारी उपस्थित थे। कार्यशाला का उदघाटन करते हुए श्री जे.आर चौधरी, खान नियंत्रक(द.अ.) ने अपने सम्बोधन में राजभाषा, राष्ट्रभाषा और हिन्दी संपर्क भाषा के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर उन्होनें कहा कि यदि देश की क्षेत्रीय भाषाओं का सहकार हिन्दी के साथ हो तो हिंदीत्तर भाषी क्षेत्र माने जाने वाले दक्षिण भारतीय राज्यों में लोग हिन्दी को सहजता से अपनाएँगे। हरेक व्यक्ति अपनी मातृभाषा को जरूर प्राथमिकता दे, लेकिन हिन्दी को प्रमुखता दे तो अँग्रेजी की मानसिकता स्वतः दूर हो जाएगी। इस दो दिवसीय पूर्ण कार्यशाला में हिन्दी एवं तकनीकी विषयों के कुल सात व्याख्यान रखे गए। कार्यशाला के प्रथम दिन खान नियंत्रक महोदय ने कार्यालयीन सरल हिन्दी का प्रयोग के बारे में बताया । उन्होनें कहा कि मातृभाषा ही हमारे संवेदनाओं की वाहक होती है। खान नियंत्रक महोदय का यह मानना था कि सर्वस्वीकार्य हिन्दी अभ्यास करने से ही कार्यालयीन भाषा हो जाएगी । इस कार्यशाला में श्री पी अस्वनी कुमार, सहायक खनन अभियंता ने बड़े सरल ढंग से खनिज क्षेत्र में आए बदलाव के बारे में बड़े सरल ढंग से प्रशिक्षार्थियों को बताया। श्री आशीष घोषाल,हिन्दी अनुवादक ने सरल कार्यालयीन हिन्दी लिखने का अभ्यास कराया। इस दो दिवसीय हिन्दी कार्यशाला में हिन्दी संपर्क अधिकारी ने हिन्दी तकनीकी शब्दावली पर अभ्यास एवं सुव्यवस्थित खनन प्रक्रिया पर व्याख्यान दिया। क्षेत्रीय खनन प्रसंस्करण प्रयोगशाला के कार्यों की जानकारी को बड़े सहज ढंग से डॉ. वी.ए.जे.अरुणा, अधीक्षण अधिकारी (अ.प्र.) ने बताया। इस अवसर पर

सामान्य खनन प्रणाली एवं स्टोपिंग निरीक्षण पददती पर डॉ.ओमकेश मूर्ति ,वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी ने प्रकाश डाला। ब्यूरो के रसायन प्रयोगशाला में उपलब्ध सुविधाएं एवं हिन्दी में किए जा सकने वाले कार्यों पर श्री सी.वी. पाटील, सहायक रसायनज्ञ ने जानकारी दी । कार्यालय में हिन्दी के प्रयोग को बढ़ाने हेतु खान नियंत्रक महोदय के आदेशानुसार हिन्दी श्रुतलेखन पर भी एक सत्र रखा गया ।

<u>हिन्दी कार्यशाला का मूल्यांकन एवं समापन समारोह</u>

हिन्दी कार्यशाला का समापन समारोह दिनांक 20.06.2018 को आयोजित किया गया। कार्यशाला का मूल्यांकन करते हुए श्री जे.आर.चौधरी , खान नियंत्रक (द.अ.) ने अपने सम्बोधन में कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य हिन्दी में कार्य करने की मानसिकता को विकसित करना है जिससे संघ सरकार की राजभाषा नीति का क्रियान्वयन कार्यालय में उचित प्रकार से हो। इस दो दिवसीय कार्यशाला में कार्यालय में कुल 09 कार्मिकों ने भाग लिया। श्री अरुण कुमार, उप खान नियंत्रक ने कार्यशाला से लाभान्वित होने तथा कार्यशाला का आयोजन नियमित रूप से करने हेतु अपना सुझाव दिया ।

<u>धन्यवाद प्रस्ताव</u> : हिन्दी कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु श्री सुरेश कुमार , उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी ने सभी के प्रति आभार एवं धन्यवाद ज्ञपित किया।

*****

खान नियंत्रक महोदय ने कार्यालयीन सरल हिन्दी का प्रयोग के बारे में बताते हुये।

हिन्दी तकनीकी शब्दावली पर अभ्यास का सत्र ।

भारतीय स्वान ब्यूरो
हिन्दी कार्यशाला
आंचलिक/क्षेत्रीय कार्यालय एवं अयस्क प्रसाधन प्रयोगशाला

भारतीय स्वान ब्यूरो
हिन्दी कार्यशाला
आंचलिक/क्षेत्रीय कार्यालय एवं अयस्क प्रसाधन प्रयोगशाला

भारतीय स्वान ब्यूरो
हिन्दी कार्यशाला

भारतीय स्वान ब्यूरो
हिन्दी कार्यशाला

भारतीय स्वान ब्यूरो
हिन्दी कार्यशाला
आंचलिक/क्षेत्रीय कार्यालय एवं अयस्क प्रसाधन प्रयोगशाला

भारतीय स्वान ब्यूरो
हिन्दी कार्यशाला
आंचलिक/क्षेत्रीय कार्यालय एवं अयस्क प्रसाधन प्रयोगशाला